मुहम्मद बिन तुगलक :

मुहम्मद बिन तुगलक ने दक्षिण भारत के -

(1.) द्वारसमुद्र
(b.) मावर तथा
(c) अनैगोंडी,

इन राज्यों के विरुद्ध अभियान किये तथा इस प्रकार दक्षिण का पूरा पश्चिमी तट उसके अधिकार में आ गया। परन्तु दक्षिण की जीतें सुल्तान के लिए अस्थायी सिद्ध हुईं। इस क्षेत्र में भयंकर विद्रोह हुए, जिसके परिणामस्वरूप दक्षिण के संपूर्ण क्षेत्र दिल्ली सल्तनत से स्वतंत्र हो गये।

(क) सरहिंदी के अनुसार मुहम्मद तुगलक के शासन काल का प्रथम विद्रोह उसके चचेरे भाई बहाउद्दीन गुर्शस्प ने किया जो दक्षिण में सागर का हाकिम था।

(ख) इसामी के अनुसार सुल्तान मुहम्मद के व्यवहार में परिवर्तन हो जाने के कारण विद्रोह हुआ।

(ग) गुर्शस्प ने स्वतंत्रता घोषित करके निकटवर्ती सामंतों से भूमि कर वसूल किया।

(घ) सुल्तान ने गुजरात के सूबेदार ख्वाजा-ए-जहाँ अहमद अयाज के नेतृत्व में सेना भेजी। अयाज ने देवगिरि पर अधिकार कर लिया।

(ङ) गुर्शस्प ने पराजित होकर कंपिली के हिन्दू राजा के पास शरण ली।

सुल्तान मुहम्मद ने कंपिली पर तीन बार आक्रमण किये। प्रथम आक्रमण में मुस्लिम सेना पराजित हुई। द्वितीय आक्रमण में भी मुस्लिम सेना कुतुबुलमुल्क के साथ जान बचाकर भाग गई। तृतीय आक्रमण में सुल्तान की सेना ने मलिकजादा ख्वाजा-ए-जहाँ के नेतृत्व में कंपिली नरेश को पराजित कर दिया। गुर्शस्प ने द्वारसमुद्र के राजा बल्लाल तृतीय के यहाँ शरण ली।

Contd....

डॉ० मदन पासवान, इतिहास.

मलिकजादा ने होलसल राज्य पर भी आक्रमण किया। उधर वल्लाल ने सुल्तान को वार्षिक कर देना बंद कर दिया तथा 1316 ई० में पांड्य राज्य के अधिकार में होलसल राज्य के अधिक भाग को लेकर पांड्यों पर आक्रमण कर दिया।

जब तुगलक की सेना ने समुद्र द्वार पर आक्रमण किया तो अपनी रक्षा के उद्देश्य से गुर्शस्प को बंदी बनाकर उसने मलिकजादा को सौंप दिया तथा दिल्ली के सुल्तान का प्रभुत्व स्वीकार कर लिया। सुल्तान ने दक्षिण में देवगिरि का नाम होलताबाद रखकर राजधानी बना लिया।

Continue ...